चिकित्सा जबलपुर से टीम भोपाल के लिए हुई रवाना, अब वन विहार नेशनल पार्क की शोभा बढ़ाएगी

बाघिन ने दी मौत को मात, डॉक्टर्स की मेहनत रंग लाई

▶ नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में 2 माह तक चला इलाज

विवेक दुबे

नवभारत, जबलपुर। वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व की मोहाली रेंज से गंभीर अवस्था में घायल होकर नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय में लाई गई बाघिन का निरंतर इलाज किया गया। करीब 2 महीने तक चले इलाज के बाद बाघिन के स्वास्थ्य में डॉक्टर्स को काफी सुधार नजर आया।

जिसके बाद बाघिन को चिकित्सीय टीम की निगरानी में सुरक्षित तरीके से वन विहार , नेशनल पार्क भोपाल भेजा गया। बाघिन के उपचार एवं स्वास्थ्य प्रबंधन में स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ , नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर की टीम द्वारा निरंतर तकनीकी एवं चिकित्सकीय सहयोग प्रदान किया गया। जानकारी के अनुसार डॉ. आर. के. शर्मा, संचालक, स्कूल ऑफ वाइल्डलाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ, डॉ काजल जादव, सह प्राध्यापक, वन विहार भोपाल के आर. एफ. ओ. नीलेश एवं उनकी टीम गुरूवार को बाघिन को सड़क रास्ते के सहारे परिवहन कर वन विहार नेशनल पार्क, भोपाल के लिए लेकर रवाना हुए। वन विहार नेशनल पार्क में बाघिन की आगे की देखभाल, स्वास्थ्य निगरानी एवं आवश्यक उपचार वन विभाग की देखरेख में किया जाएगा।

9 जुलाई को घायल हुई थी बाघिन

जानकारी के अनुसार विगत 9 जुलाई को बाघिन वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व की मोहाली रेंज से गंभीर अवस्था में घायल हो गई थी जिसके बाद से उसकी हालत बिगड़ने लगी थी। हालत बिगड़ते देख वन विभाग की टीम ने पहले तो उसका रेस्क्यू किया और फिर इलाज के लिए नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ वाइल्डलाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ जबलपुर, मध्यप्रदेश में लेकर आए। यहां दो माह तक बाघिन का व्यवस्थित इलाज किया गया। इस पूरे उपचार एवं स्वास्थ्य प्रबंधन के दौरान नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. मंदीप शर्मा द्वारा समय-समय पर आवश्यक मार्गदर्शन एवं सुझाव प्रदान किए गए। साथ ही बाघिन के उपचार एवं आगे के प्रबंधन के संबंध में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी), भोपाल द्वारा भी समय-समय पर आवश्यक मार्गदर्शन निर्देश प्रदान किए गए थे।

इन्होंने भी इलाज में दिया योगदान

बाघिन के इलाज के दौरान स्कूल ऑफ वाइल्डलाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ के चिकित्सकों के साथ पीजी छात्र-छात्राओं एवं सहयोगी स्टाफ ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर के मेडिसिन विभाग के फैकल्टी द्वारा भी आवश्यक चिकित्सकीय सहयोग प्रदान किया गया।

चालू अनुबंध के दौरान नया टेंडर निकालना शक्तियों का दुरुपयोग

हाईकोर्ट ने लगाया 50 हजार का जुर्माना

जबलपुर। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक रूसिया की अध्यक्षता वाली युगलपीठ ने साफ किया है कि वैध और चालू अनुबंध को कानूनन समाप्त किए बिना उसी काम के लिए नया टेंडर जारी करना राज्य की शक्तियों का दुरुपयोग है। कोर्ट ने मेसर्स हैप्पी स्क्वायर आउटसोर्सिंग सर्विसेज लिमिटेड जबलपुर की याचिका स्वीकार करते हुए मध्य प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कारपोरेशन, एमपीएसईडीसी द्वारा जारी नया टेंडर निरस्त कर दिया। युगलपीठ ने एमपीएसईडीसी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाते हुए उक्त राशि याचिकाकर्ता कंपनी को प्रदान करने के आदेश जारी किये है।

याचिकाकर्ता को जबलपुर के बरगी हिल्स आईटी पार्क और ग्वालियर के गंगा मालनपुर आईटी पार्क में फैसिलिटी मैनेजमेंट सर्विसेज का काम तीन वर्ष के लिए दिया गया था। इसका अनुबंध वर्ष 2027 तक प्रभावी था। इसके बावजूद अप्रैल 2026 में एमपीएसईडीसी ने अनुबंध समाप्त किए बिना उन्हीं कार्यों के लिए नया टेंडर जारी कर दिया। याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि चालू तीन वर्षीय अनुबंध के बीच नया टेंडर जारी करना मनमाना है। कोर्ट ने पाया कि पुराने टेंडर के तहत आवंटित 12 कार्य नए टेंडर में भी शामिल थे। 13 वें नए कार्य की जरूरत थी तो उसकी अलग निविदा की जा सकती थी। एक ही अवधि में एक ही काम दो एजेंसियों को देना सार्वजनिक धन और प्रशासनिक शक्तियों का दुरुपयोग है। कोर्ट ने पुन: टेंडर की प्रक्रिया को अनुचित और मनमाना मानते हुए निरस्त कर दिया।

मांग और स्वीकृति साबित किए बिना बरामदगी पर सजा नहीं

हाईकोर्ट ने वनकर्मी को दोषमुक्त कर निरस्त की 4 साल की सजा

रिश्वत की मांग और उसका स्वैच्छिक रूप से स्वीकार किया जाना संदेह से परे साबित हुए बिना केवल राशि की बरामदगी के आधार पर भ्रष्टाचार के मामले में सजा नहीं दी जा सकती। हाई कोर्ट ने लोकायुक्त के रिश्वत मामले में वन विभाग, सागर के कर्मचारी उमाशंकर कटारे की अपील स्वीकार करते हुए उसे बरी कर दिया। न्यायमूर्ति संजीव एस. कलगांवकर की एकलपीठ ने विशेष न्यायाधीश, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, सागर द्वारा 25 अक्टूबर 2018 को सुनाई गई चार वर्ष के कठोर कारावास की सजा निरस्त कर दी। दरअसल मामला वर्ष 2015 का है। शिकायतकर्ता करोड़ीलाल ने आरोप लगाया था कि निर्माणाधीन मकान में इस्तेमाल लकड़ी को लेकर वन अपराध दर्ज नहीं करने के एवज में उमाशंकर रिश्वत मांग रहा है। 20 अक्टूबर 2015 को लोकायुक्त ने जाल बिछाया। आरोपी के घर के खुले बरामदे में रखे कूलर के ढक्कन के नीचे से राशि बरामद हुई थी। हाईकोर्ट ने पाया कि बातचीत की रिकॉर्डिंग और प्रतिलिपि में रिश्वत की मांग स्पष्ट नहीं थी। कूलर खुले स्थान पर था और उस पर आरोपित का विशेष नियंत्रण भी साबित नहीं हुआ। राशि बरामद करने वाले मुख्य पंच साक्षी डा. टोला सिंह को अभियोजन ने गवाह नहीं बनाया। कोर्ट ने कहा कि मांग और स्वीकृति साबित होना आवश्यक है।

न्यायमूर्ति अवनीन्द्र कुमार सिंह हुए सेवानिवृत्त

▶ फेयरवेल में न्यायिक यात्रा को किया याद, हाईकोर्ट में अब 38 जज

जबलपुर। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अवनीन्द्र कुमार सिंह सेवानिवृत्त हो गए हैं। उनके सम्मान में गुरुवार को हाईकोर्ट में फुल कोर्ट फेयरवेल हुआ। इस अवसर पर न्यायिक अधिकारियों और अधिवक्ताओं ने उनके लंबे न्यायिक सेवा काल और कार्यशैली को याद किया। न्यायमूर्ति सिंह ने 31 मई 1990 को सिविल जज के रूप में न्यायिक सेवा शुरू की थी। न्यायिक सेवा के विभिन्न पदों पर दायित्व निभाने के बाद उन्हें हाई कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया। उन्होंने एक मई 2023 को हाई कोर्ट जज के रूप में शपथ ली थी। करीब तीन वर्ष से अधिक के हाईकोर्ट कार्यकाल में उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई की। उनकी सेवानिवृत्ति के बाद हाई कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 38 रह गई है, जबकि स्वीकृत पद 53 हैं। इस तरह 15 पद रिक्त हैं। हाई कोर्ट में लंबित मामलों का आंकड़ा पौने पांच लाख से अधिक है। ऐसे में न्यायाधीशों की रिक्तियां महत्वपूर्ण विषय बनी हुई हैं। फुल कोर्ट फेयरवेल उनकी 36 वर्ष से अधिक लंबी न्यायिक यात्रा के औपचारिक समापन का अवसर रहा।

20 लाख के आभूषण ले गए चोर

जबलपुर। शहपुरा थाना अंतर्गत उमरिया में चोरों ने एक सूने घर में धावा बोलते हुए 20 लाख रूपए के सोने चांदी के जेवरात पार कर दिए। पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक गुरूवार को सुरेन्द्र सिंह 49 वर्ष निवासी उमरिया शहपुरा ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि वह किसानी करता है। बीती रात 10 बजे घर के सभी लोग सो गये थे, गुरूवार सुबह लगभग 4 बजे बडे भाई अशोक सिंह सोकर उठे, देखा सामान बिखरा हुआ था, जिन्होंने सभी को आवाज देकर उठाया, घर में रखी लोहे की पेटी व सूटकेस, जिसमें सोने के जेवरात एवं नगदी रूपये रखे थे घर के गेट के पास सूटकेस पडा था, घर से लगभग 100 मीटर दूर लोहे की पेटी का भी ताला टूटा था पेटी एवं सूटकेस में रखा सोने के 100 ग्राम वजनी करधन, दो तोला वजनी दो बिस्किट,पांच ग्राम वजनी दो रिंग, एक अद्धा, दो जोडी कान की झुमकी, चार चूडियॉ, तीन तिलक, एक बेंदी, एक करधन, चांदी का एक सिक्का, तीन जोडी पायल, बिछिया, चांदी के बर्तन, गुच्छा, छोटा करधन, हाफ करधन, सात चूडा, दो रिंग, पायल, कुल कीमती 20 लाख रूपये के चोरी कर ले गया है।

सिहोरा में भी हुई चोरी- सिहोरा थाने में गुरूवार को रानी चौबे 45 वर्ष निवासी नांदघाट सिहोरा ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि परिवार के सभी लोग घर में सो गये थे। सुबह 9 बजे बेटी ने बताया कि घर की अलमारी का लॉक टूटा है, अलमारी में रखे नगदी 15 हजार रूपये एवं सोने चांदी जेवरात गायब है।

शिक्षक ने छात्रा को शादी का झांसा देकर बनाया धर्मांतरण का दबाव

▶ व्हाट्सएप पर भेजता था अश्लील वीडियो, आरोपी की कोर्ट परिसर में पिटाई

जबलपुर। गोराबाजार थाना अंतर्गत तिलहरी में शिक्षक ने स्कूल की नाबालिग छात्रा को शादी का झांसा देकर धर्म परिवर्तन के लिए दुष्प्रेरित किया बल्कि व्हाट्सएप पर अश्लील वीडियो भेजी। आपत्तिजनक टिप्पणियां भी की।

पुलिस ने पीड़ित पिता की शिकायत पर आरोपी शिक्षक के खिलाफ पास्को एक्ट, धर्मांतरण विरोधी कानून समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, कोर्ट परिसर में पेशी के दौरान आरोपी को देखकर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और वहां मौजूद आक्रोशित भीड़ ने उसकी जमकर धुनाई कर दी।

गोराबाजार पुलिस के अनुसार, एक पीड़ित पिता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि उनकी 17 वर्षीय बेटी सेन्ट अलोयसियस में पढ़ती है जहां सैयद फैजान हुसैन शिक्षक है। हाल ही में जब पिता ने अपनी बेटी का मोबाइल फोन चेक किया, तो उनके होश उड़ गए। आरोपी पिछले करीब तीन वर्षों से युवती से चोरी-छिपे फोन पर बातचीत कर रहा था। आरोपी ने जानबूझकर बहला-फुसलाकर और शादी का झांसा देकर किशोरी को इस्लाम धर्म अपनाने के लिए लगातार प्रलोभन दिया और दुष्प्रेरित किया। किशोरी ने भी आरोपी का नंबर अपने फोन में फिआंसे (मंगेतर) के नाम से सेव कर रखा था।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी सैयद फैजान हुसैन व्हाट्सएप चैट के माध्यम से किशोरी पर धर्म परिवर्तन का दबाव बना रहा था। वह चैट पर लगातार अश्लील बातें करता था और बहला-फुसलाकर लैंगिक स्वीकृति का अनुरोध करता था। आरोपी किशोरी से अश्लील तस्वीरें मांगता था। अश्लील वीडियो व फोटो भेजकर अश्लील टिप्पणियां करता था। पिता की रिपोर्ट पर गोराबाजार पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे तत्काल हिरासत में ले लिया।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस जब आरोपी सैयद फैजान को न्यायालय में पेश करने पहुंची, तो वहां स्थिति तनावपूर्ण हो गई। आरोपी की करतूत से नाराज कोर्ट परिसर में मौजूद आक्रोशित जनों ने आरोपी को देखते ही उसकी जमकर धुनाई कर दी। पुलिस कर्मियों ने बमुश्किल बीच-बचाव कर आरोपी को भीड़ से निकाला और कोर्ट के समक्ष पेश किया। इसके बाद उसे न्यायालय के समक्ष पेश करने के बाद जेल भेज दिया है।

एक नजर में

बीए एलएलबी चौथे सेमेस्टर की परीक्षा निरस्त

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय प्रशासन ने बीए एलएलबी चतुर्थ सेमेस्टर की 17 सितंबर 2026 को निरस्त की गई परीक्षा के लिए नई तारीख घोषित कर दी है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी संशोधित अधिसूचना के अनुसार, अब यह परीक्षा 26 सितंबर 2026 को आयोजित की जाएगी। यह संशोधन ओल्ड कोर्स तथा न्यू कोर्स दोनों के लिए लागू होगा। परीक्षा के तहत तृतीय प्रश्न पत्र हिंदी भाषा-द्वितीय का पेपर लिया जाएगा। परीक्षा का समय पूर्व की भांति सुबह 7 बजे से 10 बजे तक रहेगा। परीक्षा नियंत्रक के आदेशानुसार इस संबंध में संबंधित महाविद्यालयों के प्राचार्यों और विभागों को सूचित कर दिया गया है।

कांग्रेस का प्रदर्शन आज

नवभारत, जबलपुर। महाराष्ट्र हाई स्कूल एवं उसके सामने दूरसंचार कार्यालय वाली सड़क का डामलिकरण लगभग 8 माह पूर्व हुआ था, जो पहली ही बरसात में भ्रष्टाचार की भेंट चढ गई और सड़क से डामल गायब हो गया। इस सड़क निर्माण में हुए भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर कांग्रेस पार्षद दल एवं युवक कांग्रेस द्वारा 18 सितम्बर दोपहर 3:30 बजे यातायात थाने के सामने महाराष्ट्र हाई स्कूल रोड पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

तालाब में मिली लाश

जबलपुर। हनुमानताल तालाब में एक अज्ञात व्यक्ति का शव उतराता हुआ मिला। जानकारी के मुताबिक, नगर निगम सुपरवाइजर रोहित नन्हेट ने गुरुवार सुबह हनुमान ताल तालाब में एक शव को देखा तो थाने में सूचना दी। पुलिस ने लोगों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाया। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

तड़ीपार को पुलिस ने दबोचा

जबलपुर। केंट पुलिस ने तड़ीपार को जिला बदर के आदेश का उल्लंघन करते धरदबोचा। पुलिस के मुताबिक रोशन ठाकुर पिता सुरेश सिंह ठाकुर 35 वर्ष निवासी बडी वाजपेयी कम्पाउण्ड सदर का एक अपराधिक प्रवृत्ति का है जिसके विरूद्ध कई अपराध पंजीबद्ध होकर न्यायालय में विचाराधीन है। 22 मई 2026 को रोशन ठाकुर को जिला जबलपुर एवं जबलपुर से लगे सीमावर्ती जिले मण्डला, डिण्डौरी, सिवनी नरसिंहपुर कटनी, दमोह, उमरिया की राजस्व सीमाओं से 4 माह की अवधि तक जिलाबदर किया गया था।

25 महिलाओं की गाढ़ी कमाई निगल गया संगम मैनेजर

▶ लोन की किस्त के 4.25 लाख वसूले, बैंक में जमा न कर फील्ड ऑफिसर फरार

जबलपुर। भारत फाइनेंशियल इन्क्लूजन लिमिटेड बरेला शाखा के एक फील्ड ऑफिसर ने लोन चुकता करने और नया लोन दिलाने का झांसा देकर 25 ग्रामीण महिलाओं से 4,25,421 की नगद वसूली की। आरोपी इस पूरी रकम को बैंक में जमा करने के बजाय डकार गया और दफ्तर से फरार हो गया। बरेला पुलिस ने शाखा प्रबंधक की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, पनागर निवासी मुकेश कुमार पटेल (41) बरेला में मन्कुआरी स्कूल के पीछे स्थित भारत फाइनेंशियल इन्क्लूजन लिमिटेड में ब्रांच मैनेजर हैं। उनकी शाखा के तहत ग्रामीण महिलाओं के समूह बनाकर लोन दिए जाते हैं। सुरई शहपुरा निवासी सुन्दरम चढ़ार (25) इस शाखा में संगम मैनेजर के पद पर तैनात था, जिसका काम महिलाओं से किस्तों का कलेक्शन करना था। आरोपी सुन्दरम ने महिलाओं का विश्वास जीतने के लिए उन्हें झांसा दिया कि यदि वे समय से पहले (प्री-पेमेंट) अपनी किस्तें जमा कर देंगी, तो उनका पिछला लोन बंद होकर तुरंत ज्यादा राशि का नया लोन पास हो जाएगा। भोली-भाली महिलाएं उसके बुने जाल में फंस गईं और अपनी गाढ़ी कमाई सौंप दी। आरोपी ने महिलाओं से किस्तों के नाम पर नगद वसूली शुरू की थी। जब बैंक का सालाना क्लोजिंग ऑडिट हुआ, तब पता चला कि महिलाओं के खातों में किस्तें जमा ही नहीं हुई हैं और वे डिफॉल्टर शो हो रही हैं। इधर पोल खुलते ही आरोपी सुन्दरम दफ्तर और घर से गायब हो गया।

इन महिलाओं से ठगी

आरोपी सुंदरम ने जिन 25 महिलाओं को अपना शिकार बनाया, उनमें अजूलता, निशा कुशवाहा, लक्ष्मी पटेल, साधना पटेल, संगीता बाई, सोनम गोटिया, अंजू यादव , किरन बर्मन, पूजा बर्मन, सध्यां मेहरा, निधि सेन, गुड्डो बाई बेन, रेखा, अर्मता यादव, मुन्नी बाई पटेल, सीमा यादव , फूलबाई झारिया, सावित्रा कोल, पूनम, रजनी पटेल, ममता पटेल, प्रियंका कुर्मी, उर्वशी पटेल, सिया पटेल, सीमा यादव शामिल है।

भेड़ाघाट में नियमों के उल्लंघन की कलेक्टर से शिकायत

नवभारत,जबलपुर। जबलपुर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष संजूलाल झारिया ने भेड़ाघाट में नियमों की अनदेखी को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भेड़ाघाट नगर परिषद अंतर्गत घाट क्षेत्र में जिला प्रशासन और माननीय उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। उन्होनें लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के कुछ कथित नेता वीआईपी गेट के जरिए प्रतिबंधित क्षेत्रों में अवैध रूप से प्रवेश कर रहे हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बरगी में हाल ही में हुए क्रूज हादसे का हवाला देते हुए उन्होंने आशंका जताई कि नियमों की अनदेखी के चलते भेड़ाघाट में भी कोई अप्रिय घटना घट सकती है। संजूलाल झारिया ने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले लोग खुद को स्थानीय विधायक नीरज सिंह ठाकुर और मंत्री राकेश सिंह का प्रतिनिधि बताकर रौब झाड़ते हैं, जिससे पार्टी और प्रशासन दोनों की छवि धूमिल हो रही है। उन्होंने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर ऐसे तत्वों पर तत्काल रोक लगाने और कड़ी दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने भाजपा नेतृत्व से भी अपील की कि ऐसे अनुशासनहीन और नियमों को ताक पर रखने वाले लोगों को पार्टी से तत्काल बाहर का रास्ता दिखाया जाए।

एपीके फाइल भेज मोबाइल किया हैक, खाते से उड़ाई रकम

जबलपुर। साइबर ठग ने कपड़ा व्यापारी के व्हाटसएप पर एपीके फाईल भेजकर मोबाइल हैक कर 39 हजार 346 रूपये उड़ा लिए। गोराबाजार पुलिस करने वाले अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक गुरूवार को राजेश कुमार बेहरानी 39 वर्ष निवासी स्वामी अय्यपा स्कूल केपास बिलहरी ने लिखित शिकायत की किउसकी सदर में कपड़े की दुकान है उसने एसबीआई बैंक चौथा फुल से क्रेडिट कार्ड लियाा था। शाम लगभग 5 बजे उसके व्हाटसएप पर एक अज्ञात मोबाइल से एपीके फाईल आयी जिसे उसकी पत्नी सौम्या बेहरानी ने गलती से डाउनलोड कर लिया जिससे उसका मोबाइल हैक हो गया। इस बीच उसके खाते से 39 हजार 346 रूपये निकाल लिए गए।

अमर शहीद राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह का बलिदान दिवस आज

▶ मुख्यमंत्री डॉ. यादव बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में होंगे शामिल

जबलपुर। 1857 की क्रांति में देश की स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले अमर शहीद राजा शंकर शाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह का बलिदान दिवस 18 सितंबर को मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

उल्लेखनीय है कि राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह गढ़ा-मंडला के गोंड राजवंश से संबंधित थे। यह राजवंश देश और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने बलिदान के लिए जाना जाता है। राजा शंकर शाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह ने वर्ष 1857 की क्रांति के दौरान अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष किया।14 सितंबर 1857 को अंग्रेजों ने राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह सहित अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया था। अंग्रेजों ने दोनों पर देशद्रोह के आरोप लगाए और मृत्युदंड की सजा सुनाई। 18 सितंबर 1857 को जबलपुर में दोनों को तोप के मुंह से बांधकर शहीद कर दिया गया। दोनों ने अंग्रेजों के सामने झुकने और माफी मांगने से इनकार कर दिया तथा देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह का बलिदान देश के इतिहास में अद्वितीय उदाहरण है। उनके बलिदान ने क्षेत्र में अंग्रेजों के विरुद्ध क्रांति की भावना को और मजबूत किया। गोंड राजवंश के अमर शहीदों की पावन स्मृति में जबलपुर रेलवे स्टेशन के समीप स्मारक का निर्माण कराया गया है, जहाँ दोनों महान शहीदों की भव्य प्रतिमाएँ स्थापित हैं। प्रतिवर्ष 18 सितंबर को इस स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

समारोह हाईकोर्ट एडवोकेट्स बार के सम्मान समारोह में बोले रूसिया

बार को जैसी जरूरत थी, वैसे ही मिले चीफ जस्टिस

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के नवनियुक्त चीफ जस्टिस अल्पेश यशवंत कोगजे का हाईकोर्ट एडवोकेट्स बार की ओर से सम्मान किया गया। समारोह में चीफ जस्टिस कोगजे ने जबलपुर की तारीफ करते हुए कहा कि शहर बहुत अच्छा है और यहां के लोग भी बहुत अच्छे हैं। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'यहां आने के बाद लग रहा है कि अब मुझे अपने घर की याद नहीं आएगी।' वकालत से न्यायाधीश बनने तक का अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि वकील रहते खड़े होकर दलील देते थे और खड़े होने पर ही उनका दिमाग चलता था, लेकिन 2016 में जज बनने के बाद भूमिका बदल गई और अब बैठकर वकीलों को सुनते हैं—बैठने के बाद ही मेरा दिमाग चलता है। उनकी इस टिप्पणी से समारोह में माहौल सहज और खुशनुमा हो गया। समारोह में वरिष्ठ जज जस्टिस विवेक रूसिया ने कहा कि बार को जिस तरह के चीफ जस्टिस की जरूरत थी, उसी तरह के चीफ जस्टिस कोगजे मिले हैं। उन्होंने बार और बेंच के बीच बेहतर समन्वय एवं सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। चीफ जस्टिस कोगजे ने इससे पहले अपने स्वागत समारोह में भी स्वतंत्र और मजबूत बार को बेहतर न्याय व्यवस्था की महत्वपूर्ण जरूरत बताया था।

इनकी रही उपस्थिति

बार पदाधिकारियों ने चीफ जस्टिस कोगजे को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में हाईकोर्ट के सभी जजों के साथ हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मृगेंद्र सिंह, जिला बार अध्यक्ष मनीष मिश्रा, अतिरिक्त महाधिवक्ता हरप्रीत रूपराह, नीलेश यादव, केंद्र सरकार के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल सुनील कुमार जैन और डिप्टी सॉलिसिटर जनरल सुयश मोहन गुरु सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन बार सचिव निखिल तिवारी ने किया, जबकि अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने आभार व्यक्त किया।